कक्षा पाँच
हिंदी (द्वितीय भाषा)
पाठ्यक्रम
शैक्षणिक स्तर : 2025-26

विशेष :

ग्रेड के अंत तक विद्यार्थी कौन-कौन सी शिक्षण सम्प्राप्तियाँ प्राप्त करेगा, कौन सी क्षमताएँ अर्जित करेगा, विद्यार्थी किस काबिल होगा?

मुख्य उद्देश्य:-

प्राइमरी के पाँचवें वर्ष के अंत तक पढ़ाई का निम्नलिखित स्तर प्राप्त करने का दृष्टिकोण ध्यान में रखा जाए :-

मौखिक अभिव्यक्ति:

विद्यार्थी में ऐसी योग्यताओं का विस्तार करना जिससे वह:-

- रेडियो या रेडियो से स्कूलों के लिए प्रसारित किए जाने वाले कार्यक्रम को ध्यान से सुन कर अलग-अलग कार्यक्रमों में भेद कर सके।
- सुनने या पढ़ने के बाद पठित सामग्री पर कुछ पूछ सके अथवा पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दे सके।
- उचित शिष्ट-रीति से (सभा समाज की रीति से) भाषा के शिष्ट (विनीत) रूप में बात कर सके।
- वाद-विवाद में भाग ले सके और बातचीत को नाटकीय रूप दे सके।
- हिंदी के सूक्ष्म अंतर वाले शब्द के उच्चारण में भेद कर सके।
- सही उच्चारण, स्वर-शैली, गति और सरलता से हिंदी भाषा का मानक रूप बोल सके।
- जीवन की साधारण झाँकियों की नकल उतारनी के छोटे-छोटे नाटकों में अभिनय कर सकना।
- उचित गति और बोली के बीच ठहराव, बल, हाव, भाव आदि का सही प्रयोग और बोलते समय मानक बोली का प्रयोग कर सके।

पढ़ना:

विद्यार्थी में ऐसी योग्यताओं का विस्तार करना जिससे वह:-

- विराम चिह्नों के प्रति सावधान रहकर ठीक ढंग से बोलकर पढ़ सके।
- सुविधित संयुक्त अक्षरों को पढ़ सके।

- पाठ्य सामग्री, पठित सामग्री से आवश्यक सूचना प्राप्त कर सके।
- पाठ में आए नए शब्दों एवं मुहावरों का प्रयोग वाक्यों में कर सके।
- पाठों के अंत में दिए गए प्रश्नों के उत्तर दे सके।
- सही उच्चारण, स्वर-बल, स्वर-शैली और विराम चिह्नों के प्रति पूर्ण सावधानी का प्रयोग करते हुए गति से प्रभावशाली ढंग द्वारा बोलकर पढ़ सके।
- वाँछित गति और पूरी तरह समझते हुए मुँह में ही पढ़ने का अभ्यास (मौन पठन) कर सके।
- शब्दकोश का प्रयोग करना सीख सके।

लिखना:

विद्यार्थी में ऐसी योग्यताओं का विस्तार करना जिससे वह:-

- गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दे सके।
- बहु वैकल्पिक प्रश्नों में सही उत्तर चुनकर लिख सके।
- शब्दों अथवा वाक्यों को उचित रीति एवं शुद्धता के साथ लिख सके।
- पाठ्य-पुस्तक के पाठ में पूछे गए प्रश्नों के उत्तर ठीक ढंग से दे सके।
- श्रुतलेख के रूप में सरल वाक्य एवं संक्षिप्त गद्यांश लिख सके।
- लिखते समय अर्धविराम, प्रश्नवाचक चिह्न, विस्मय बोधक आदि सभी चिह्नों को भलीभांति लिख सके।
- अपने कार्य का सरल भाषा में विवरण दे सके।
- हिंदी-पंजाबी शब्दों की समानता एवं अंतर को समझकर हिंदी शब्दों को शुद्ध रूप में लिख सके।
- गुरुमुखी लिपि में लिखे गए शब्दों को देवनागरी लिपि में लिख सके।
- व्यावहारिक व्याकरण का ज्ञान प्राप्त कर सके।
- रिक्त स्थानों की पूर्ति कर सके।
- शब्दों के अर्थ लिख सके।
- कविता की पंक्तियाँ पूरी कर सके।
- चित्र देखकर दिए शब्दों से वाक्य पूरे कर सके।
- दिए गए शब्दों से वाक्य गद्यांश बना सके।

पाठ्य पुस्तक : हिंदी पुस्तक-5 (पंजाब स्कूल शिक्षा बोर्ड द्वारा प्रकाशित)